



प्रेस-विज्ञप्ति / Press Release

14 जून / June, 2019

उद्यमिता की मुख्यधारा को बढ़ावा दे रहा है सिडबी का स्वावलंबन मिशन

SIDBI's mission Swavalamban promoting mainstream entrepreneurship

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) कैदियों की क्षमता का निर्माण करने के लिए केंद्रीय कारागार, वाराणसी का समर्थन कर रहा है ताकि वे आजीविका के रूप में उद्यमिता को अपना सकें। केंद्रीय कारागार में कैदियों को विभिन्न कौशल सिखाए जाते हैं जिससे उन्हें खाद्य वस्तुएँ / बेकरी वस्तुएँ, हस्तशिल्प आदि सहित विभिन्न प्रकार के सामानों का उत्पादन करने में मदद मिलती है। हाल ही में सिडबी ने अपनी इस पहल के अंतर्गत जेल में बने उत्पादों को प्रदर्शित करने और बेचने के लिए एक बाजार केंद्र को स्थापित करने हेतु सहायता प्रदान की है। यह न केवल कैदियों को अतिरिक्त आय प्रदान करेगा बल्कि ग्राहकों की मांग के अनुसार उत्पादों के विपणन की बारीकियों यथा पुनरावलोकन / पुनःआकार / पुनःस्थापना को सीखने के साथ उनकी क्षमता का निर्माण भी करेगा। यह उनके कौशल को विकसित करने और उनके आत्मविश्वास के स्तर को बढ़ाने में भी मदद करेगा ताकि एक बार जब वे अपनी जेल की अवधि पूरी कर लें, तो वे अपनी आजीविका शुरू कर सकें और समाज की मुख्यधारा का अंग बन सकें।

Small Industries Development Bank of India (SIDBI) is supporting Central Jail, Varanasi to build capacity of prisoners to adopt entrepreneurship as a way of livelihood. In Central Jail prisoners are imparted various skills which helps them to produce variety of goods including food/bakery items, handicrafts etc. Under the initiative, SIDBI has recently supported in setting up a market outlet for displaying and selling products made in the jail. This will not only provide additional income to prisoners but build their capacity in learning nuances of marketing products including revisits/reshape/ reposition as per demand of customers. It would also help develop their skills and boost their level of confidence so that once they complete their jail term, they can start their own livelihood and become a part of mainstream society.

इसके अतिरिक्त सिडबी ने 50 किलो क्षमता वाली कपड़े धोने की औद्योगिक मशीन के लिए सहायता प्रदान करके कैदियों को रोजगार के एक वैकल्पिक स्रोत हेतु समर्थन किया है। मशीन का उपयोग औद्योगिक उद्देश्यों जैसे कि होटल के तौलिये, पर्दे, नर्सिंग होम के कपड़े धोने, सुखाने और कीटाणुशोधन, आदि के लिए किया जाएगा।

Besides that, SIDBI has also supported an alternate source of employment to prisoners by supporting for an industrial laundry machine of 50 kg capacity. The machine will be used for industrial purposes like washing, drying and disinfecting bedsheets, curtains, towels of hotels, nursing homes etc.

श्री मोहम्मद मुस्तफा, आई.ए.एस., सिडबी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक ने कहा कि , “हम नौकरी पाने के बजाय अपना उद्यम शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करके समाज के विभिन्न स्तरों को सशक्त बनाने की अपनी यात्रा पर हैं। हमारा मानना है कि उद्यमिता को बढ़ावा देना और लोगों को आत्मनिर्भर बनाना समय की जरूरत है। मिशन स्वावलंबन का इरादा प्रत्येक व्यक्ति को समावेशी पद्धति से साथ ले जाने का है, इसलिए हमने ऐसी पहल करने का फैसला किया।”

Shri Mohammad Mustafa, IAS, Chairman and Managing Director of SIDBI said, “We are on our journey to empower various strata of the society by encouraging them to start their own venture rather than seeking jobs. We believe the need of the hour is to promote entrepreneurship and make people self-reliant. Mission Swavlamban intends to take each one along in an inclusive manner so we decided to take these initiatives.”

केन्द्रीय कारागार के पास मुख्य सड़क पर क्रियाशील पोर्टेबल कैबिनों को रखा गया है, जिसका जेल के अंदर कैदियों द्वारा बनाए गए विभिन्न उत्पादों के प्रदर्शन और विपणन के लिए उपयोग किया जाता है। यह पहल उनकी आय बढ़ाने में मदद करेगी और साथ ही आत्मनिर्भर बनने के लिए उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ाएगी।

The operational portable cabins are located at the main road near Central Jail which is used for displaying and marketing of various products made by prisoners inside the jail. The initiative shall help in augmenting their income and enhancing their confidence to be on their own.

वाराणसी में स्थित केन्द्रीय कारागार उत्तर प्रदेश राज्य के सबसे बड़े कारागारों में से एक है और यहाँ लगभग 1,700 कैदी हैं जो ज्यादातर लंबी अवधि की सजा या उम्रकैद की सजा काट रहे हैं। अब तक, कारागार के अंदर बने सभी उत्पादों का उपयोग उनके अपने उपभोग के लिए किया जा

रहा था और सरकारी कार्यालयों में बेचा जा रहा था। इस समर्थन के द्वारा जेल के भीतर उपलब्ध जनशक्ति के अधिक उत्पादक उपयोग को सुनिश्चित किया जा रहा है। यह स्वावलंबन की ओर अग्रसर होने के लिए एक दृढ़ कदम है।

Central Jail at Varanasi is one of the largest jails in the state of Uttar Pradesh and has around 1,700 prisoners who are mostly serving long tenure jail terms or life imprisonment. Till now, all products made inside the jail were used for their own consumption and were being sold to government offices. With this support the avenues for more productive use of manpower available inside the jail is being ensured. It is a firm step to evolve Swavalambis.

सिडबी के बारे में : 1990 में अपने गठन के बाद से, सिडबी अपने एकीकृत, अभिनव और समावेशी दृष्टिकोण के माध्यम से समाज के विभिन्न स्तरों पर नागरिकों के जीवन को प्रभावित करता रहा है। चाहे वह पारंपरिक घरेलू उद्योग हों, लघु इकाइयां, पिरामिड के निचले स्तर के उद्यमी हों, मध्यम उद्यम से ले कर उच्च ज्ञान आधारित उद्योग हों और निर्यात संवर्द्धन तक के उद्यम हो, सिडबी ने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से 360 लाख से अधिक लोगों के जीवन को विभिन्न क्रेडिट और विकासात्मक उपायों के माध्यम से सहायता प्रदान की है। कृपया अधिक जानकारी के लिए <https://www.sidbi.in/> पर जाएँ ।

About SIDBI: Since its formation in 1990, SIDBI has been impacting the lives of citizens across various strata of the society through its integrated, innovative and inclusive approach. Be it traditional domestic industry, small units, bottom-of-the-pyramid entrepreneurs, medium enterprises to high-end knowledge-based industries and export promotions, SIDBI has directly or indirectly touched the lives of more than 360 lakh people through various credit and developmental measures. For more information, please visit: <https://www.sidbi.in/>

मीडिया संपर्क : नीलाश्री बर्मन, मोबाइल: +91 8879760249, ई-मेल: neelasrib@sidbi.in

Media contact: Neelasri Barman, Mobile: +91 8879760249, E-mail: neelasrib@sidbi.in